RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
हरियाणा बैच
सेवक बैच
ROJGAR With ANKIT
HISTORY
भारत के गवर्नर जनरल
Part -5
LIVE
24-05-2024 09:00 AM

## ④ लार्ड मेयो :- 1869–1872 ई०

⇒ 1870 ई० में केन्द्रीय एवं प्रांतीय वित्त व्यवस्था के पृथक्करण की दिशा में कदम उठाया गया

⇒ भारतीय राजकुमारों की शिक्षा एवं राजनैतिक प्रशिक्षण के लिए 1872 ई० में दो महाविद्यालयों की स्थापना की

① अजमेर में मेयो महाविद्यालय

② काठियावाड़ में राजकोट महाविद्यालय

⇒ १८७२ ई० में कृषि विभाग एवं वाणिज्य विभाग की स्थापना की थी।

⇒ मेयो ने भारतीयों को राय बहादुर व खान बहादुर की उपाधि देना प्रा० किया।

⇒ ब्रिटिश काल में भारत में प्रथम जनगणना १८७२ ई० में मेयो के काल में हुई थी।

⇒ १८७२ ई० में एक अफगान (शेर अली) ने अण्डमान द्वीप समूह (पोर्ट ब्लेयर) में चाकू मारकर मेयो की हत्या कर दी।

⑤ लार्ड नार्थब्रुक :- 1872–1876 ई० वास्तविक नाम → थामस बैरिंग

⇒ 1874 ई० में बंगाल एवं बिहार में भारी अकाल पड़ा था।

⑥ लार्ड लिटन :- 1876–1880 ई०

⇒ रॉयल टाइटल अधिनियम 1876 :- महारानी विक्टोरिया को केसर-ए-हिंद की उपाधि। जनवरी 1877 ई० को प्रथम दिल्ली दरबार आयोजन के समय प्रदान की गई।

⇒ वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट 1878 :- भारतीय समाचार पत्रो पर प्रतिबंध

⇒ इंडियन आर्म्स एक्ट 1878 ई :- किसी भारतीय को बिना लाइसेंस शस्त्र रखना तथा उनका व्यापार करना एक दण्डनीय अपराध बन गया है। यूरोपियो व एंग्लो इंडियन पर यह कानून लागू नही होता था।

⇒ 1878 में सिविल सेवा परीक्षाओं में प्रवेश की अधिकतम आयु सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई

⇒ द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध – 1878-1880 ई०

⇒ लिटन एक विख्यात कवि, उपन्यासकार एवं निबंध लेखक था। लिटन को साहित्य जगत में ओवन मैरिडिथ के नाम से जाना जाता है।

→ The last Tempest of India नामक कृति :- लिटन

⇒ लार्ड रिपन :- 1880-1884 ई० →

⇒ 1881 का प्रथम कारखाना अधिनियम पारित : महिला तथा बच्चो की कार्यविधि के घण्टो को सीमित किया गया।

⇒ शिक्षा के लिए 1882 ई० में हण्टर आयोग की नियुक्ति।

⇒ 1881 ई० में भारत की पहली नियमित जनगणना की शुरुआत की।

⇒ 1882 में भारत में स्थानीय स्वशासन की शुरुआत जिसका उद्देश्य लोगों राजनैतिक एवं लोकप्रिय शिक्षा देना था।

⇒ भारत में स्थानीय स्वशासन का जनक लार्ड रिपन कहा जाता है।

⇒ इल्बर्ट बिल विवाद :- 1883-1884 :- यूरोपियो के विरुद्ध भारतीय न्यायधीशो को मुकदमा सुनवाई का अधिकार था।

⇒ फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने रिपन को 'भारत का उद्धारक' की संज्ञा प्रदान की थी।

⇒ सिविल सेवा में प्रवेश की आयु को लिटन ने कम कर दी थी उसे पुनः 19 से 21 वर्ष कर दिया था।

⇒ The Duty of Age अर्थात इस युग का कर्तव्य नामक पुस्तक का लेखक – रिपन

⇒ लार्ड रिपन के समय को भारत में स्वर्ण युग का आरम्भ कहा गया है।

⇒ लार्ड रिपन ने कहा था – मेरा मूल्यांकन मेरे कार्यो से करना न कि मेरे शब्दो से.

⇒ भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का शत्रु की उपमा अंग्रेजों ने रिपन को प्रदान की थी।

⇒ लार्ड डफरिन :- 1884-1888